बारंबार पूछे जाने वाले प्रश्न

Frequently Asked Questions (FAQ)

Structure of UG/PG Programme

1. सर, मैने Phy, Chem, Maths, Hindi, English विषयों के साथ 12^{th} किया है। Maths, Phy कमजोर है स्नातक/B.Sc. में कौन से मेजर कौन से माईनर विषय मुझे मिल सकते हैं।

उत्तरः आप B.Sc. में Chem व एक अन्य Science का विषय जैसे (Computer Sc.) मेजर के रूप में ले सकते है तथा तीसरा मेजर विषय किसी भी संकाय का (जैसे इतिहास) ले सकते हैं। किन्तु आपको इसका ध्यान रखना होगा कि तीनों विषयो में pre-requisit की बाध्यता के अनुसार आप अर्ह हैं अथवा नहीं।

2. क्या 2^{nd} , 3^{rd} year में मेजर/माईनर में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं।

उत्तरः हाँ आप परिवर्तन कर सकते हैं किन्तु अगले वर्षो में भी आपको विषयो का चयन pre-requisit की बाध्यता के अनुसार ही करना होगा।

3. स्नातक प्रथम/द्वितीय वर्ष के पश्चात पर जो सर्टिफिकेट/डिप्लोमा प्राप्त होगा वह किस जौब के लिए मान्य होगा।

उत्तरः इस सर्टिफिकेट/डिप्लोमा के आधार पर आप उन क्षेत्रों में नौकरी पा सकते है जिनमें आपने Vocational व अन्य skill development course किये है।

4. वोकेशनल कोर्स ओर कोकरिकुलर कोर्स में कितने अनिवार्य होंगे।

उत्तरः वोकेशनल कोर्स किसी एक विधा (Trade) में आपके द्वारा चुना जायेगा। इसमें पहले चार सेमेस्टरर्स में तीन–तीन क्रेडिट के चार कोर्स होंगे। स्नातक कार्यक्रम के तीन वर्षो में co-curricular course प्रत्येक Semester में एक अनिवार्य होगा जो कि प्रत्येक दो क्रेडिट का होगा।

5. Phy, Chem के प्रायोगिक के अतिरिक्त गैर प्रायोगिक विषयों में क्या मौखिकी परीक्षा होगी यदि हां तो उसके कितने क्रेडिट होंगे।

उत्तरः यह विश्वविद्यलाय पर निर्भर करता है। किन्तु साधारणतया Phy, Chem की प्रोयोगिक परीक्षा में ही मौखिकी सम्मिलित होती है। मेजर कोर्स स्नातक स्तर पर कुल चार, पाँच व छः क्रेडिट के होंगे।

6. क्या ऑनलाईन पाठ्यक्रम अलग से निर्धारित होगा या संस्था स्वयं निर्धारित करेगी।

उत्तरः ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का विकल्प विश्वविद्यालय द्वारा दिया जायेगा जिनमें से विद्यार्थी अपनी रूचि अनुसार चयन करेगा। यह विकल्प बाह्य संस्थाओं जैसे MOOCS व SWAYAM के भी हो सकते हैं।

7. क्या एक सरकारी संस्था में प्रवेश के उपरांत किसी प्राइवेट/अन्तर्राष्ट्रीय संस्था में ट्रांसफर सम्भव है, यदि हाँ, तो क्या फीस का कोई अन्तर होगा और कितना?

उत्तरः ट्रांसफर तो सम्भव है किन्तु फीस के अन्तर का जो भी भार होगा वह विद्यार्थी को वहन करना होगा।

8. क्रेडिट क्या है, एक क्रेडिट और एक अंक में क्या सम्बन्ध है।

उत्तरः क्रेडिट किसी पेपर/कोर्स/पाठ्यक्रम का भारांक है। एक क्रेडिट की कक्षा में पढ़ाई सप्ताह में एक घण्टा theory अथवा दो घण्टा Practical class के बराबर होगी। उदाहरण : 4 क्रेडिट के कोर्स की 4 घण्टे प्रति सप्ताह कक्षाऐं होंगी।

9. क्या अलग–अलग पेपर/विषय में कुछ न्यूनतम क्रेडिट प्राप्त करने होंगे या कुल योग के आधार पर उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

उत्तरः साधारणतया पेपर उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम अंक होंगे तथा वर्षोपरान्त उपाधि प्राप्त करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट होंगे। जैसे कि एक वर्षीय सर्टिफिकेट के लिए न्यूनतम 46 क्रेडिट, दो वर्षीय डिपलोमा के लिए न्यूनतम 92 क्रेडिट तथा स्नातक डिग्री के लिए 138 क्रेडिट अर्जित करने होंगे। ऐसे ही आगे के वर्षो के लिए तालिका में निर्धारण दिया हुआ है। किन्तु, वर्ष के अन्त में उपाधि हेतु कुल अर्जित क्रेडिट में कुछ क्रेडिट की छूट होगी।

10. यदि किसी विषय में क्रेडिट कम रह जाते हैं तो कैसे पूरे होंगे। क्या कम्पार्टमेन्ट मिलेगा?

उत्तरः हाँ विश्वविद्यालय के नियमानुसार बैक पेपर/कम्पार्टमेन्ट की व्यवथा अवश्य ही होगी।

11. किन–किन विषयों में फील्ड वर्क/सर्वे वर्क पूरा करना होगा और इसके क्रेडिट किस प्रकार दिए जाएंगे क्या यह भी अनिवार्य होगा।

उत्तरः उच्च शिक्षा के तृतीय, चतुर्थ व पंचम वर्षो में उपाधि की आवश्यकतानुसार फील्ड वर्क/सर्वे वर्क/शोध कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करना होगा। इसके लिए तृतीय वर्ष में तीन क्रेडिट प्रति सेमेस्टर व चतुर्थ व पंचम वर्ष में छः क्रेडिट प्रति सेमेस्टर निर्धारित हैं।

12. बी0–एससी0 के बाद मैं शोध कार्य करना चाहता हूँ इसके लिए मुझे कौन–सा अतिरिक्त पेपर चुनना होगा और स्नातक के किस वर्ष से मैं यह अध्ययन प्रारंभ कर सकता हूँ।

उत्तरः स्नातक के तृतीय वर्ष में शोध प्रारम्भ हो जायेगा। किन्तु स्नातक की चार वर्ष की उपाधि के बाद ही पीएच0डी0 में प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।

13. क्या इसी शोध के आधार पर मुझे सीधे पीएच0–डी0 में एडमिशन मिल सकता है यदि हाँ तो कृप्या स्पष्ट करें।

उत्तरः पीएच0डी0 में प्रवेश एक प्रवेश परीक्षा के आधार पर मिलेगा। आपने जो स्नातक स्तर पर शोध किया है, आप उसे स्नातकोत्तर व पीएच0डी0 में भी आगे बढ़ा सकते हैं।

14. क्या पीएच0–डी0 में प्रवेश के लिए कोई राष्ट्र स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी और क्या शोध अवधि में मुझे कोई छात्रवृत्ति प्राप्त होगी।

उत्तरः पीएच0डी प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। विश्वविद्यालय उन विद्यार्थियों को जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की है, सीधे प्रवेश दे सकता है। पीएच0डी0 में छात्रवृतियाँ विश्वविद्यालय व अन्य राष्ट्रीय स्तर की संस्थायें सदा से ही देती आ रही है तथा भविष्य में जारी रहेगी।

15. शोधार्थी या सुपरवाइजर के विश्वविद्यालय परिवर्तन होने से शोध कार्य पर कोई प्रभाव पड़ेगा यदि नहीं तो शोध कार्य कैसे पूरा होगा।

उत्तरः पीएच0डी0 कोर्स वर्क के क्रेडिट ट्रांसफर हो जायेंगे तथा शोध कार्य भी दोनो विश्वविद्यालयों के नियमानुसार साथ ले जाया जा सकेगा।

16. स्नातक और स्नातकोत्तर के समान पीएच0–डी0 के कार्य में भी क्या क्रेडिट सिस्टम लागू होगा यदि हाँ तो किस प्रकार?

उत्तरः पीएच0डी0 में केवल कोर्स वर्क में ही क्रेडिट सिस्टम लागू होगा, शोध कार्य में नहीं।

17. क्या एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश की उच्च शिक्षण संस्थान में स्थानांतरण से स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम या डिग्री पूरी की जा सकती है।

उत्तरः हाँ अवश्य ही की जा सकती है। विद्यार्थी के एक विश्वविद्यालय से अर्जित किये गये क्रेडिट अकादमिक डेटा बैंक के माध्यम से दूसरे विश्वविद्यालय को हस्तान्तरित किये जा सकेंगे।

18. क्या विद्यार्थी को वह (माइनर) कोर्स भी उत्तीर्ण करने होंगे जो उसने दूसरे विषय के विभाग में लिए हैं।

उत्तरः हाँ। वर्ष के अन्त में परिणाम मेजर, माइनर, वोकेशनल व को–करिकुलर सभी प्रकार के कोर्स पर आधारित होगा। सभी प्रकार के कोर्सस को उत्तीर्ण करना आवश्यक है तथा अंतिम परिणाम जो कि CGPA के रूप में होगा, सभी कोर्सस में अर्जित ग्रेडस पर निर्भर करेगा।

19. यदि विद्यार्थी किसी वैकल्पिक माइनर में अनुत्तीर्ण हो जाता है व अपनी रूचि के अनुरूप नहीं पाता है तो क्या वह अगले वर्ष उसे बदल कर कोई और माइनर ले सकता है।

उत्तरः हाँ अवश्य ले सकता है।

20. क्या स्नातक कार्यक्रम चार वर्ष व स्नातकोत्तर कार्यक्रम एक वर्ष के होंगे।

उत्तरः (a) स्नातक कार्यक्रम की तीन वर्ष उत्तीर्ण होने पर स्नातक की उपाधि मिलेगी जिसके पश्चात दो वर्ष का स्नातकोत्तर कार्यक्रम करना होगा।

(b) स्नातक कार्यक्रम के यदि चार वर्ष उत्तीर्ण किये हैं तो स्नातक (शोध) की उपाधि मिलेगी तथा इसके बाद केवल एक वर्ष में स्नातकोत्तर उपाधि मिल जायेगी।

(c) इस प्रकार से स्नातक का चतुर्थ वर्ष व परास्नातक का प्रथम वर्ष समान (common) होगा।